क्राइम पेट्रोल

वर्षः 16 अंकः 202 देहरादून बुधवार 22 जून 2022 | livecrimepatrol@gmail.com | (RNI No. UTTHIN/2005/16772) पृष्ठः 8 मूल्यः 1 रूपये

केंद्रीय प्रतिनियुक्ति पर जाएंगे मुख्य सचिव डा. एसएस संधू

विशेष संवाददाता

देहरादून। उत्तराखंड शासन से आज की सबसे बड़ी खबर प्रदेश के मुख्य सचिव पद को लेकर है। प्रदेश को जल्द ही नया मुख्य सचिव मिल सकता है। यह खबर राज्य के मुख्य सचिव डॉ एसएस संधू के केंद्रीय प्रतिनियुक्ति पर जाने की खबर के बाद चर्चा में आई है। उत्तराखंड के मुख्य सचिव डॉ एसएस संधू केंद्रीय प्रतिनियुक्ति पर जाएंगे, खबर है कि प्रतिनियुक्ति पर जाने को लेकर मुख्य सचिव को राज्य की तरफ से अनुमति दे दी गई है। बड़ी बात यह है कि लंबे समय तक केंद्रीय प्रतिनियुक्ति

पर रहने के बाद डॉ एसएस संधू उत्तराखंड में मुख्य सचिव का पद मिलने के बाद प्रदेश में आए थे। लेकिन अब एक बार फिर उनकी तरफ से केंद्रीय प्रतिनियुक्ति पर जाने को लेकर इच्छा जाहिर करने की बात कही गई थी और इसी के बाद राज्य ने उन्हें उसके लिए एनओसी दे दी है। इसके साथ ही राज्य में नए मुख्य सचिव को लेकर कवायद तेज हो गई है। अपर मुख्य सचिव के तौर पर सबसे सीनियर राधा रतूड़ी को प्रदेश की पहली महिला मुख्य सचिव बनाने की बात सामने आ रही है। आपको बता दें कि राज्य में यूं तो अपर मुख्य सचिव के पद पर मनीषा पवार, और आनंद वर्धन भी हैं। लेकिन मनीषा पवार का स्वास्थ्य खराब होने और आनंद वर्धन की धामी सरकार पार्ट 1 में दूरियां बढ़ने के चलते सबसे सीनियर राधा रतूड़ी को ही एकमात्र सबसे मजबूत दावेदार माना जा रहा है। उम्मीद लगाई जा रही है कि आने वाले कुछ दिनों में ही राधा रतूड़ी को मुख्य सचिव बनाया जा सकता है। फिलहाल राधा रतूड़ी अपर मुख्य सचिव मुख्यमंत्री जैसे महत्वपूर्ण जिम्मेदारी को भी निभा रही हैं। उधर माना जा रहा है कि मुख्य सचिव एसएस संधू और धामी सरकार के बीच समन्वय स्थापित नहीं हो पा रहा था जिसे देखते हुए केंद्रीय प्रतिनियुक्ति पर जाने का प्रस्ताव मुख्य सचिव की तरफ से भेजा गया। 1988 बैच के डॉक्टर एसएस संधू जुलाई 2021 में ही उत्तराखंड में मुख्य सचिव बनाए गए थे, इससे पहले मुख्य सचिव एसएस संधू नेशनल हाईवे अथॉरिटी ऑफ इंडिया के चेयरमैन पद पर कार्यरत थे। हालांकि जुलाई 2021 में अपर मुख्य सचिव राधा रतूड़ी को भी मुख्य सचिव पद के लिए बड़ा दावेदार माना जा रहा था लेकिन तब केंद्रीय प्रतिनियुक्ति पर गए डॉ एसएस संधू को सरकार ने यह जिम्मेदारी दी थी। आपको बता दें कि राधा रतूड़ी भी 1988 बैच की ही आईएएस अधिकारी हैं।

भारतवर्ष आदिकाल से ही ज्ञान विज्ञान के क्षेत्र में अग्रणी रहा है: धामी

अरूण शर्मा

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने बुधवार को ग्राफिक एरा में आयोजित 15–16वीं उत्तराखंड राज्य विज्ञान एवं तकनीकी कांग्रेस का शुभारंभ किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने उत्तराखंड राज्य विज्ञान एवं तकनीक कांग्रेस एवं उत्तराखंड के बहुमूल्य उत्पादों पर आधारित पुस्तक का विमोचन किया। बीते साल कोरोना महामारी के कारण साइंस कांग्रेस का आयोजन नहीं हो पाया था, इसलिए यूसीओएसटी द्वारा 15 एवं 16वीं साइंस कांग्रेस का साझा आयोजन किया गया। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने अपने संबोधन में कहा कि हम सब का सामूहिक प्रयास होना चाहिए कि इस तरह के मंथन कार्यक्रम सिर्फ आयोजन तक सीमित न रहे। बल्कि ऐसे मंथन कार्यक्रमों से निकला ज्ञान रूपी अमृत राज्य की और देश की प्रगति के लिए उन्नत तकनीक के रूप में सामने आए। मुख्यमंत्री ने कहा कि उन्हें पूर्ण विश्वास है कि इस कार्यक्रम से सूचना प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में प्रदेश को आगे बढ़ाने का रास्ता भी मिलेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि विश्वविद्यालय के छात्र के रूप में उनको सबसे अधिक अनुभव प्राप्त हुआ। उन्होंने कहा कि भारतवर्ष आदिकाल से ही ज्ञान विज्ञान के क्षेत्र में अग्रणी रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में बीते 8 सालों में भारत ने विज्ञान और तकनीक के क्षेत्र में कई नए कीर्तिमान हासिल किए है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश में नई शिक्षा नीति लागू की है। जो कि हर पहलू को केंद्रित कर बनाई गई है। उन्होंने कहा कि देश के वैज्ञानिकों ने शोध और परीक्षण कर कोरोनावायरस महामारी से निपटने के लिए दो–दो स्वदेशी वैक्सीन तैयार की, जो कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में संभव था। प्रधानमंत्री के नेतृत्व में देश का मान सम्मान और स्वाभिमान बढा है। हमारी कल्पना वसुदेव कुटुंबकम की है। मुख्यमंत्री ने कार्यक्रम में मौजूद वैज्ञानिक एवं शोधार्थियों से आवाहन करते हुए कहा कि इस कार्यक्रम से हम संकल्प को शक्ति बनाकर "विकल्प रहित संकल्प" के ध्येय वाक्य के साथ आगे बढ़े। उन्होंने कहा कि साल 2025 तक उत्तराखंड को अग्रणी राज्य बनाने के लिए "विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी" के क्षेत्र से जुड़े सभी वैज्ञानिक एवं शोधार्थियों के सुझाव आमंत्रित हैं। हम हर क्षेत्र में विशेषज्ञों के विचारों को लेकर भविष्य का रोडमैप तैयार कर रहे हैं, क्योंकि उत्तराखंड को शिखर पर ले जाने की जिम्मेदारी हम सब की सामूहिक रूप से है। कार्यक्रम में सचिव आईटी सौजन्या ने साइंस कांग्रेस के बारे में विस्तृत जानकारी दी। इसके अलावा यूसीओएसटी के महानिदेशक डॉ राजेंद्र डोभाल ने उत्तराखंड काउंसिल फॉर साइंस एंड टेक्नोलॉजी द्वारा किए जा रहे कार्यों एवं साइंस सिटी का विस्तृत प्रस्तुतीकरण दिया।

रामविलास यादव ने विजिलेंस में दर्ज कराए बयान

स्टाफ रिपोर्टर

देहरादून। आईएएस रामविलास यादव पर भ्रष्टाचार के कई आरोप लगे हैं जिसको लेकर मामला कोर्ट तक पहुंच चुका है। रामविलास यादव अपनी गिरफ्तारी की रोक को लेकर हाई कोर्ट पहुंचे थे जहां से उनको कोई राहत नहीं मिलती नजर आ रही है। जिसके बाद हाईकोर्ट ने उनको विजिलेंस देहरादून में अपने बयान व अपने दस्तावेज सौंपने का आदेश जारी किया था। जिसके बाद आज रामविलास यादव राजधानी देहरादून में विजिलेंस ऑफिस पहुंचे और वहां पर अपने बयान दर्ज कराए और साथ ही अपने दस्तावेज सौंपे हैं। रामविलास यादव के वकील अभिनव शर्मा ने उनका बचाव करते हुए मीडिया के सामने कहा है कि रामविलास यादव को उत्तराखंड उच्च न्यायालय ने आदेश दिए थे कि वह विजिलेंस ऑफिस जाकर अपने बयान दर्ज कराएं और संबंधित दस्तावेज भी विजिलेंस ऑफिस उपलब्ध कराएं। हाईकोर्ट के अनुपालन में ही आज हम लोग विजिलेंस ऑफिस पहुंचे हैं। उन्होंने बताया कि कल हाई कोर्ट में विजिलेंस के भी पक्ष मांगा गया है, कल हम हाईकोर्ट जाएंगे। रामविलास यादव पर जो आरोप लग रहे थे कि वह जांच में सहयोग नहीं कर रहे हैं उसके लिए लगातार जब भी कोई पत्र रामविलास यादव के पास पहुंचा है उसका जवाब दिया गया है।

छोटी-छोटी खबरें

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने जिलों के प्रभारी मंत्री नियुक्त किए

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने जिलों के प्रभारी मंत्रियों को नियुक्त कर दिया है। अब जल्द ही जिला योजना की बैठकें होंगी और जिला योजना के तहत काम शुरू होंगे। नई सरकार के गठन के बाद से ही जिला योजना की बैठकें नहीं हो पा रही थी। ना ही जिला योजना का बजट खर्च हो पा रहा था। इसकी सबसे बड़ी वजह जिलों के प्रभारी मंत्रियों का नियुक्त नहीं होना था। जिसको देखते हुए सीएम धामी ने जिलों में प्रभारी मंत्री नियुक्त कर दिए हैं। शासन से नियोजन सचिव ने इस संबंध में आदेश जारी किए हैं। सतपाल महाराज को हरिद्वार की जिम्मेदारी, प्रेमचंद अग्रवाल को उत्तरकाशी और टिहरी की जिम्मेदारी, गणेश जोशी को उधम सिंह नगर की जिम्मेदारी, धन सिंह रावत को अल्मोड़ा और चमोली की जिम्मेदारी, सुबोध उनियाल को देहरादून की जिम्मेदारी, रेखा आर्य को नैनीताल और चंपावत की जिम्मेदारी, चंदन राम दास को पिथौरागढ़ और पौड़ी की जिम्मेदारी और सौरभ बहुगुणा को रुद्रप्रयाग और बागेश्वर जिले का प्रभारी मंत्री बनाया गया है।

अग्निपथ योजना को लेकर सरकार पर रखें भरोसा

हरिद्वार। केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने अग्निपथ योजना की जमकर तारीफ की है। उन्होंने खूबियां बताते हुए कहा कि अग्निपथ योजना के जरिए युवाओं को स्किल्ड होने के साथ–साथ रुपए भी मिलेंगे। साथ ही आगे रोजगार की गारंटी भी मिल रही है। भविष्य में उनके लिए स्टेट पुलिस, पैरामिलिट्री फोर्स में सभी जगह स्थान रिजर्व किया गया है। उन्होंने अग्निपथ को लेकर विपक्ष पर हमला करते हुए कहा कि कुछ लोग ऐसे हैं, जिनको मोदी सरकार के अलावा कुछ नहीं दिखता। ऐसे लोग इन युवाओं को भ्रमित कर रहे हैं। उन्होंने युवाओं से ऐसे नेताओं के भ्रम में ना आने की अपील की। उन्होंने कहा कि अगर अग्निपथ योजना को गंभीरता से देखेंगे तो अग्निपथ देश को एक नई दिशा देने का काम करेगा। केंद्रीय राज्यमंत्री गिरिराज सिंह का कहना है कि अग्निपथ योजना के माध्यम से अब हम देश के युवाओं को रोजगार दे सकेंगे। उन्होंने कहा कि आज आर्मी के अधिकारी व आर्मी से जुड़े लोग इस योजना के पक्ष में खड़े होकर बोल रहे हैं। देश के कुछ लोग जिनको मोदी सरकार के अलावा कुछ नहीं दिखता, वह युवाओं को भ्रमित करने का काम कर रहे हैं। उन्होंने युवाओं से आग्रह है कि इन नेताओं के भ्रम में ना आएं। मोदी सरकार पर भरोसा रखें।

आपकी आवाज

प्रिय पाठकों

आप अपने क्षेत्र में भ्रष्टाचार, जनहित से जुड़ी अनेकों समस्याओं से अवगत होते हैं। इसके लिए आवाज भी उठाते हैं, लेकिन भ्रष्टाचार व काला-बाजारी के इस युग में आपकी आवाज यदि कहीं दबकर रह जाती है। क्राइम पेट्रोल आपके साथ मिलकर आपकी आवाज उठाएगा। आप कोई जानकारी व समाचार समेत किसी भी प्रकार की कोई सूचना हमें देना चाहते हैं, तो आपके सुझाव आमंत्रित हैं। भ्रष्टाचार को मिटाने की इस मुहिम में हम आपके साथ हैं। आपकी पहचान गुप्त रखी जाएगी। हमें संपर्क करें।

क्राइम पेट्रोल लाइव:

प्रवीन भारद्वाज- 9837625470

डीएवीपी (भारत सरकार) द्वारा विज्ञापन के लिए मान्यता प्राप्त
आर.एन.आई. रजि. नं० UTTHIN/2005/16772
डाक पंजी० नं० UA/0/DDN/609/2011-13

दूरभाष : 9837625470
फैक्स : 0135-2740155

ई-मेल: crimepatroleditor@gmail.com

visit:- https://crimepatrol.live

आलाकमान को खुश करने को कांग्रेस नेताओं में अमर्यादित भाषा की होड़: चौहान

नगर संवाददाता

देहरादून। भाजपा के प्रदेश मीडिया प्रभारी मनवीर सिंह चौहान ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को लेकर वरिष्ठ कॉग्रेस नेता व पूर्व केंद्रीय मंत्री सुबोधकान्त सहाय की अपमानजनक एवं अमर्यादित टिप्पणी की कड़ी निंदा करते हुए इसे कॉग्रेस पार्टी की घृणास्पद सोच और कुत्सित मानसिकता बताया। उन्होने कहा कि कॉग्रेस के सभी नेताओं में प्रधानमंत्री मोदी व अन्य भाजपा नेताओं के प्रति अमर्यादित बोल अपने आलाकमान के दरबार में नंबर बढ़ाने की होड़ लगी रहती है और इस रेस का प्रायोजक स्वयं गांधी परिवार है। चौहान ने चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि देश की पुरानी पार्टी कॉग्रेस का राजनैतिक ग्राफ जिस गति से नीचे जा रहा है उससे अधिक गति से उसके नेताओं की भाषा, विचारधारा और सोच का स्तर गिरता जा रहा

है। उन्होने कहा कि आज पीएम मोदी व राष्ट्रवादी विचारधारा को लेकर अपशब्द कहना व अपमानजनक टिप्पणी करने की विपक्ष विशेषकर कॉग्रेस पार्टी में परंपरा बन गयी है। उन्होने व्यंग करते हुए कहा कि लगता है उनके नेता राहुल गांधी घृणा की राजनीति को लेकर जो भी बयान अक्सर पीएम मोदी व भाजपा के ख़िलाफ़ देते हैं दरअसल उसे उनकी पार्टी के नेता निर्देश मानकर, बढ़चढ़ अमर्यादित टिप्पणी करने में जुट जाते हैं। उन्होने अफसोस जताते हुए कहा है कि इस तरह के बयान देने वाले कोई अदना नेता नहीं, बल्कि पूर्व सीएम दिग्विजय सिंह, पूर्व सीएम कमलनाथ, सीएम अशोक गहलोत, मणिशंकर अय्यर समेत दर्जनों पूर्व केंद्रीय मंत्री व स्वयं सोनिया गांधी और राहुल गांधी के नाम भी शामिल हैं । लेकिन कॉग्रेस पार्टी के शीर्ष नेतृत्व को लगता है कि मात्र अपने नेताओं के बयान से किनारा कर लेने से वह पाक–साफ हो जाते हैं, तो यह उनकी गलतफहमी है । यही वजह है कि जनता मोदी जी व राष्ट्रवादी विचारों के प्रति घृणित सोच व कुत्सित मानसिकता रखने वाली कॉग्रेस पार्टी व उनके नेताओं को चुनावों के माध्यम से लगातार सजा दे रही है।

जिलाधिकारी ने ऋषिकेश–कर्णप्रयाग रेल लाइन परियोजना कार्यों की समीक्षा की

क्राइम पेट्रोल संवाददाता

टिहरी। जिला कार्यालय के वी. सी. कक्ष टिहरी गढ़वाल में जिलाधिकारी टिहरी गढ़वाल इवा आशीष श्रीवास्तव की अध्यक्षता में 126 कि.मी. ऋषिकेश–कर्णप्रयाग रेल लाईन परियोजना कार्यों की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि जिन योजनाओं के कार्य पूर्ण हो चुके हैं, उनका उपयोगिता प्रमाण पत्र उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें। जिलाधिकारी ने बैठक में अनुपस्थित अधिशासी अभियन्ता सिंचाई खण्ड–2 नरेन्द्रनगर का स्पष्टीकरण तलब करने एवं वेतन रोकने के तथा अधिशासी अभियन्ता ग्रामीण निर्माण विभाग टिहरी का वेतन रोकने एवं विभाग के एचओडी को सूचित करने के आदेश दिये। जिलाधिकारी ने रेल लाईन परियोजना के तहत जल संस्थान देवप्रयाग की अटाली पेयजल योजना, कौड़ियाल पेयजल योजना, सिंगटाली पेयजल योजना, भरपूर पम्पिंग पेयजल योजना रानीहाट पेयजल योजना, आर.वी. एफ. नैथाणा पेयजल योजना, नैथाणा पेयजल योजना तथा चुन्नीखाल पेयजल योजना की जानकारी ली। इस पर संबंधित द्वारा अवगत कराया गया कि सभी योजनाएं पूर्ण कर ली गई, केवल चुन्नीखाल पेयजल योजना का उपयोगिता प्रमाण पत्र भेजना रह गया है। सिंचाई खण्ड नरेन्द्रनगर की लक्ष्मोली नहर, अटाली दांयी नगर, कण्डार सौंग नहर तथा अटाली बांयी नहर की प्रगति समीक्षा के दौरान अवगत कराया गया कि अटाली बांयी नहर को छोड़कर सभी नहर पूर्ण हो चुकी हैं। जिलाधिकारी ने अटाली बांयी नहर का कार्य 15 दिन के अन्दर पूर्ण कर सूचना उपलब्ध कराने के निर्देश दिये। ग्रामीण निर्माण विभाग को ग्राम भरपुर तहसील देवप्रयाग के अन्तर्गत सड़क से शमशान तक सी.सी.मार्ग का प्राथमिकता पर कार्य करने के निर्देश दिये गये। बैठक में अपर जिलाधिकारी रामजी शरण शर्मा, एसडीओ वन विभाग नरेन्द्रनगर मनमोहन बिष्ट, बीडीओ नरेन्द्रनगर जयेन्द्र सिंह राणा, डीजीएम सिविल आरवीएनएल भूपेन्द्र सिंह, एसई आरवीएनएल रूपेश पोखरियाल सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

आईआईटी रुड़की के वैज्ञानिकों ने न्यूरोलॉजिकल रोग का पता लगाने के लिए डोपामाइन सेंसर विकसित किया

क्राइम पेट्रोल संवाददाता

रुड़की। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान रुड़की (आईआईटी रुड़की) के वैज्ञानिकों की एक टीम ने एक सेंसर विकसित किया है जो स्किज़ोफ्रेनिया और पार्किंसंस जैसी तंत्रिका संबंधी बीमारियों का प्रारंभिक चरण में प्रभावी ढंग से पता लगा सकता है। जब कोई व्यक्ति इन बीमारियों से पीड़ित होता है, तो मस्तिष्क में डोपामाइन नामक रसायन का स्तर बदल जाता है। विकसित सेंसर मस्तिष्क में इस रसायन के स्तर में छोटे से बदलाव का भी पता

लगा सकता है और इस प्रकार स्किज़ोफ्रेनिया और पार्किंसंस रोग जैसे तंत्रिका संबंधी विकारों की संभावना का पता लगा सकता है। चूंकि इनमें से अधिकांश बीमारियों का पूरी तरह से इलाज नहीं किया जा सकता है, जल्दी पता लगाने से रोग की प्रगति को नियंत्रित करने में मदद मिलती है। ऐसे में आईआईटी रुड़की में विकसित सेंसर में चिकित्सा क्षेत्र में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने की क्षमता है। आईआईटीआर टीम ने इन सेंसरों को बनाने के लिए ग्रेफीन क्वांटम डॉट नामक सामग्री का इस्तेमाल किया है जिसे सल्फर और बोरॉन के साथ मिलाया गया था। बहुत कम मात्रा में डोपामाइन की उपस्थिति में, यह सेंसर प्रकाश की तीव्रता को बदलता है जिसे आसानी से मापा जा सकता है, इस प्रकार मस्तिष्क में डोपामाइन की मात्रा का अनुमान होता है। शोध का नेतृत्व भौतिकी विभाग के प्रो. सौमित्र शतापति ने किया और टीम के अन्य सदस्य के रूप में आईआईटी रुड़की के बायोसाइंस और बायोइंजीनियरिंग विभाग की डॉ. मनीषा चटर्जी और प्रो. पार्थ रॉय, प्रथुल नाथ, अंशु कुमार, विशाल कुमार, भौतिकी विभाग के सचिन कादियान, और पॉलिमर और प्रोसेस इंजीनियरिंग विभाग के प्रो. गौरव माणिक शामिल हैं। इस शोध को हाल ही में प्रतिष्ठित नेचर साइंटिफिक रिपोर्ट्स में प्रकाशित हुए थे। प्रो. सौमित्र सतपति ने कहा, ष्हमारा वर्तमान अध्ययन पॉइंट–ऑफ–केयर डिवाइस को डिजाइन करने की संभावना को खोलता है जो वास्तविक नमूनों में डोपामाइन की मात्रा का पता लगाने के लिए उपयुक्त होगा। आईआईटी रुड़की के निदेशक प्रो. अजीत के चतुर्वेदी ने कहा, ष्मानसिक बीमारियां हमारी आबादी के एक बड़े हिस्से को प्रभावित करती हैं। मैं इस तरह की एक महत्वपूर्ण समस्या पर काम करने और मानसिक बीमारियों के निदान में योगदान देने के लिए शोध दल को बधाई देना चाहता हूं।

छात्र–छात्राओं ने विभिन्न आसनों के माध्यम से योग का सामुहिक प्रदर्शन किया

स्टाफ रिपोर्टर

देहरादून। आध्यात्मिक दृष्टि से योग शब्द का अर्थ अपने आप को परमात्मा से जोड़ना है। महर्षि पतंजलि ने कहा है कि चित्त की वृत्तियों को शांत करना योग कहलाता है। यह बात प्रदेश के लोक निर्माण, पर्यटन, सिंचाई, लघु सिंचाई, पंचायतीराज, संस्कृति, धर्मस्व, ग्रामीण निर्माण एवं जलागम प्रबंधन मंत्री सतपाल महाराज ने तुलाज इंस्टीट्यूट परिसर में सुकामना फाउंडेशन एंड ट्रस्ट द्वारा मंगलवार को आयोजित आठवें अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर उपस्थित छात्र छात्राओं को संबोधित करते हुए कही। इस दौरान तुलास् इस्टीट्यूट एवं पैट्रोलियम यूनिवर्सिटी के छात्र– छात्राओं ने विभिन्न आसनों के माध्यम से योग का सामुहिक प्रदर्शन भी किया। कैबिनेट मंत्री श्री महाराज ने आठवें अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस की शुभकामनायें देते हुए कहा कि योग शब्द का भारतीय संस्कृति में बडा महत्व है। गणित में दो या दो से अधिक संख्याओं के जोड़ को योग कहते हैं। चिकित्सा शास्त्र में विभिन्न औषधियों के मिश्रण को योग कहते हैं। यहां तक कि ज्योतिष शास्त्र में ग्रहों की विभिन्न स्थितियों को भी योग कहते हैं। इस प्रकार से बहुत से अन्य क्षेत्रों में योग शब्द का विभिन्न अर्थों में प्रयोग किया गया है। आध्यात्मिक दृष्टि से योग शब्द का अर्थ अपने आप को परमात्मा से जोड़ना है। महर्षि पतंजलि ने शरीर की वृत्तियों

को शांत करने के लिए योग के महत्व को बताया है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के प्रयासों से आज के दिन पूरे विश्व में योग दिवस मनाया जा रहा है। भारत द्वारा शुरू किये गये योग की ख्याती आज पूरे विश्व में फैल चुकी है। अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस का विश्व के 175 सदस्य देशों द्वारा समर्थन किया गया। आजकल की भाग–दौड़ वाली जिंदगी में खान पान के तरीकों के चलते लोगों को स्वस्थ्य संबंधी बहुत अधिक समस्यायें हैं। ऐसे में लोग इन समस्याओं से राहत पाने के लिए कई तरह की दवाओं का सेवन करते हैं। कुछ समय के लिए तो यह सही हैं लेकिन हमेशा के लिए दवाइयों पर निर्भरता शरीर के लिए घातक है। अगर आप चाहें तो व्यायाम और योगासन के द्वारा अपनी बिगड़ती सेहत को सुधार सकते हैं। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर तुलास् इंस्टीट्यूट के साथ–साथ अन्य इंस्टिट्यूट से आए छात्र छात्राओं से कैबिनेट मंत्री सतपाल महाराज ने कहा कि कोविड जैसी महामारी के दौरान योग एक मजबूत ढाल के रूप में दिखाई दिया है। नियमित रूप से और सही तरह से आसान योग करने पर स्वस्थ तन और सुंदर मन मिलता है। फिट और स्वस्थ रहने के लिए आजकल हेल्थ क्लब्स, स्कूल्स और हॉस्पिटल्स में भी योग करवाया जाने लगा है। उन्होंने बताया कि इस बार योग का यह आयोजन ष्मानवता के लिए योग की थीम पर आधारित है। इसलिए हम सभी को मिलकर ऐसे आयोजनों को सफल बनाने के साथ–साथ योग की लोकप्रियता को आगे बढ़ाने का काम करना है।

सड़क दुर्घटना में पांच युवकों की मौत

क्राइम पेट्रोल संवाददाता

नैनीताल। बिलग्राम शरीफ दरगाह जा रहे रामनगर शहर के पांच युवकों की सड़क हादसे में दर्दनाक मौत हो गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने शवों को कब्जे में ले लिया है। यूपी के शाहजहांपुर रोड स्थित रामनगर के मोहल्ला खताड़ी व गूलरघट्टी इलाके के पांच युवकों की मौत की सूचना। रामनगर के 5 लोग कार में सवार होकर उत्तर प्रदेश के बिलग्राम शरीफ जा रहे थे। मंगलवार को हुए दर्दनाक सड़क हादसे में शहर के पांच युवकों की मौत हो जाने के बाद रामनगर में शोक का माहौल है। बताया जा रहा है एक साथ दो कारों से रामनगर से कुल दस लोग निकले थे। भोर में करीब साढ़े चार, बजे के आसपास ट्रक ने उनमें से एक कार को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जोरदार थी की कार के परखच्चे उड़ गए। हादसे में कार में सवार पांच युवकों की घटना स्थल पर ही मौत हो गई । पांचों रामनगर में अपना कारोबार करते थे। हादसे की खबर सुनने के बाद स्वजन घटनास्थल के लिए रवाना हो गए हैं। रामनगर के दस युवक दो कारों से भोर में बिलग्राम शरीफ मजार के लिए निकले थे। वे बरेली से निकलकर शाहजहांपुर रोड पर पहुंचे ही थे कि ट्रक ने उनमें से एक कार को जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में उस कार में सवार पांच लोगों घटनास्थल पर ही मौत हो गई। सभी युवक रामनगर के मोहल्ला खताड़ी व गूलरघट्टी इलाके के निवासी हैं। मृतकों में गूलरघट्टी निवासी इमरान खान, खताड़ी निवासी हाफ़िज़ ताहिर, मुजामिल, सगीर व फरीद शामिल हैं। इनमें एक रामनगर के इंडियन मेडिकल स्टोर के स्वामी के भाई हैं।

जलाशय में दिखा महिला का शव

ऋषिकेश, नगर संवाददाता। तीर्थनगरी ऋषिकेश में साईं घाट पर गंगा में डूबी एक महिला का शव पांच दिन बाद बैराज जलाशय में नजर आया। परिजनों ने इसकी सूचना पुलिस और एसडीआरएफ को दी। शव का रेस्क्यू करने टीम पहुंची लेकिन तभी गेट खोल देने की वजह से शव बह गया। एसडीआरएफ की टीम शव की तलाश में जुटी है। 16 जून को कुम्हारबाड़ा की रहने वाली एक महिला जिसका नाम पूजा प्रजापति था, साईं घाट पर स्नान के लिए गई थी। तभी महिला ने एक बच्चे को गंगा में डूबते हुए देखा। महिला ने हिम्मत दिखाते हुए अपनी जान की परवाह न करते हुए डूबते हुए बच्चे को तो बचा लिया लेकिन वह गंगा की तेज धारा में बह गई। एसडीआरएफ की टीम ने गंगा में महिला की काफी खोजबीन की लेकिन महिला का कुछ पता नहीं चला। आज बैराज जलाशय में महिला के परिजनों ने एक शव देखा, जिसकी उन्होंने पहचान भी कर ली। शव को निकालने के लिए पुलिस को सूचना दी गई, जिसके बाद एसडीआरएफ को बुलाया गया।

ईडी का हौव्वा दिखाकर डराने का काम कर रही भाजपा सरकारः माहरा

नगर संवाददाता

देहरादून। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा केंद्र सरकार के इशारे पर राजनीतिक द्वेष की भावना से ग्रसित हो कर बार बार राहुल गांधी को जांच के नाम पर उत्पीड़ित किया जा रहा है, इसी के तहत 23 जून को राष्ट्रीय अध्यक्ष सोनिया गांधी को भी ईडी द्वारा पूछताछ के नाम पर बुलाया गया है।

उत्तराखंड प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष करन माहरा ने एक बयान जारी करते हुए कहा कि अपनी 8 साल की नाकामियों को छुपाने के लिए मोदी सरकार द्वारा प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के माध्यम से फर्जी प्रकरण में जांच के नाम पर कांग्रेस पार्टी को बदनाम करने तथा विपक्ष की आवाज को दबाने का घिनौना प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि पिछले एक सप्ताह से कांग्रेस पार्टी के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष राहुल गांधी को उत्पीडित करने की नीयत से रात के 11:00–12:00 बजे तक लगातार 30 घंटों से ज्यादा समय से पूछताछ की गई है। उन्होंने कहा कि भाजपा की वर्तमान सरकार विपक्षी नेताओं को ईडी का हौवा दिखाकर डराने–धमकाने का काम कर रही है जो कि लोकतंत्र के लिए शुभ संकेत नहीं माना जा सकता है। कांग्रेस पार्टी के केन्द्रीय नेतृत्व द्वारा इन्हीं गंभीर सवालों पर चर्चा हेतु विभिन्न प्रदेशों के कांग्रेस नेताओं की नई दिल्ली में बैठक बुलाई गई है। बैठक में देश के विभिन्न राज्यों से कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं, प्रदेश अध्यक्षों व विधायकों के साथ पार्टी की आगे की रणनीति तय की जायेगी।

राजनैतिक द्वेष की भावना से काम करने का केंद्र सरकार पर लगाया आरोप

देहरादून, नगर संवाददाता। जिला और महानगर कांग्रेस कमेटी के कार्यकर्ताओं ने रायपुर ब्लाक मुख्यालय में प्रदर्शन किया। केंद्र सरकार पर आरोप लगाया कि वह पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष राहुल गांधी का राजनैतिक द्वेष की भावना से उत्पीड़न कर रही है। महानगर अध्यक्ष लालचंद शर्मा और परवादून जिलाध्यक्ष अश्विनी बहुगुणा के नेतृत्व में प्रदर्शन करते हुए राष्ट्रपति के नाम संबोधित ज्ञापन एसडीएम को सौंपा गया। शर्मा ने कहा कि केंद्र सरकार अपनी नाकामियों को छिपाने के लिए राजनैतिक प्रतिशोध और द्वेष की भावना से काम कर रही है। केंद्रीय एजेंसियों का उपयोग विपक्षी दल के नेताओं का उत्पीडित करने के लिए कर रही है। प्रदर्शन करने वालों में पूर्व विधायक राजकुमार, प्रदेश महामंत्री राजेन्द्र शाह, प्रदेश प्रवक्ता सूरत सिंह नेगी, आनंद त्यागी, महेन्द्र सिंह नेगी, आनंद त्यागी, राजेश डोगरा, प्रवीण त्यागी, गुलशेर मुन्ना, स्वर्णिमराज कंडारी, प्रियांश छाबडा, अभिनय बिष्ट, अनिल उनियाल, विजय गुप्ता, अभय दीपक, आशीष नौटियाल, मिथिलेश उपाध्याय, विनय कुमार, शीशपाल सिंह बिष्ट, त्रिलोक सिंह, प्रेम सिंह थापा, विरेन्द्र पंवार समेत अन्य शामिल थे।

स्कूल परिसर में योगा सेशन का आयोजन किया

देहरादून, नगर संवाददाता। ओलंपस हाई ने फिक्की महिला संगठन उत्तराखंड और हमरो स्वाभिमान ट्रस्ट के सहयोग से स्कूल परिसर में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर योगा सेशन का आयोजन किया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में बाल अधिकार आयोग, उत्तराखंड की अध्यक्ष डॉ. गीता खन्ना उपस्थित रहीं। सुबह छह बजे शुरू हुए कार्यक्रम के दौरान सभी प्रतिभागियों और अभिभावकों को योगाभ्यास के अनगिनत फायदों के बारे में बताया गया।

कार्यक्रम का संचालन फ्लो उत्तराखंड अध्यक्ष डॉ. नेहा शर्मा और वरिष्ठ उपाध्यक्ष डॉ अनुराधा मल्ला के नेतृत्व में किया गया। इस कार्यक्रम का समर्थन प्रबंधन निदेशक ओलंपस हाई और अध्यक्ष हमरो स्वाभिमान कुनाल शमशेर मल्ला द्वारा किया गया। डॉ. गीता खन्ना ने कार्यक्रम की खूब सराहना की। उन्होंने सभी प्रतिभागियों को फिट और स्वस्थ रहने के लिए नियमित योग का अभ्यास करने के लिए प्रोत्साहित किया। इस वर्ष की अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस की थीम ह्यूमैनिटी को ध्यान में रखते हुए इस कार्यक्रम का फोकस एकजुटता पर रहा। कार्यक्रम में सभी शिक्षकों और संगठन के सदस्यों के परिवारों को भी आमंत्रित किया गया था। इस मौके पर कुनाल शमशेर मल्ला ने फिटनेस के बारे में बात करी। उन्होंने समग्र भलाई के लिए शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य दोनों के महत्व पर प्रकाश डाला। प्रशिक्षक एकता गुप्ता द्वारा विभिन्न योग आसनों का संचालन किया गया। कार्यक्रम का समापन डॉ. नेहा शर्मा के सौजन्य से आयुष मंत्रालय द्वारा आयुष किट वितरण के साथ हुआ। इस अवसर पर बोलते हुए, डॉ नेहा ने कहा, ष्अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस उस शारीरिक और आध्यात्मिक कौशल का जश्न मनाता है जिसको योग विश्व मंच पर लाया है। योग शरीर, मन और आत्मा को एक तरह से जोड़ने का एक तरीका है जो सदियों से अस्तित्व में है। ओबी सदस्य और फिक्की फ्लो के अन्य सदस्य भी इस अवसर पर उपस्थित रहे।

आर्ट ऑफ लिविंग के सदस्यों द्वारा योगाभ्यास कराया गया

नैनीताल, क्राइम पेट्रोल संवाददाता। डॉ. आर. एस. टोलिया उत्तराखण्ड प्रशासन अकादमी में अर्न्तराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर आर्ट ऑफ लिविंग के सदस्यों द्वारा योगाभ्यास कराया गया। इस कार्यक्रम का शुभारंभ अकादमी के महानिदेशक श्री बी. पी. पाण्डेय द्वारा किया गया, श्री पाण्डेय द्वारा प्राचीन भारत की योग महत्ता पर प्रकाश डालते हुए स्वस्थ भारत की कामना की। तो वही कार्यक्रम के आयोजक अकादमी संयुक्त निदेशक प्रकाश चंद्र ने योग किया और अकादमी में प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे सभी प्रशिक्षुओं को योग दिवस की शुभकामनाएं दी। इस कार्यक्रम की शोभा बढ़ाने के लिए आर्ट ऑफ लिविंग के संकाय सदस्य दीपक गुप्ता ने प्रशिक्षुओं को योग के गुर सिखाए, उक्त कार्यक्रम में आर्ट ऑफ लिविंग के सहयोगी कामना कम्बोज, सुनीता वर्मा, हिमांशु और मानसी ने भी अपना योगदान दिया। इस योग कार्यक्रम में अकादमी संकाय सदस्य दिनेश कुमार राणा, एन एस नगन्याल, वी. के. सिंह, डॉ. ओम प्रकाश, डॉ. मंजू पाण्डे आदि भी मौजूद रहे। इसके अलावा अकादमी कार्मिको ने भी योग दिवस पर बेहतर स्वास्थ्य लाभ के लिए बढ़चढ़ कर हिस्सा लिया।

बासमती की खेती की लागत को प्रभावी ढंग से कम करता है ड्रिप इरिगेशन

क्राइम पेट्रोल संवाददाता

देहरादून। भारत में गंगा के मैदान का एक अनूठा उत्पाद, सुगंधित (बासमती) चावल अपनी खुशबूदार क्वालिटी और महंगा होने के लिए जाना जाता है। मोटे चावल की तुलना में इसकी कीमत लगभग तीन गुना अधिक होती है। भारत में चावल की खेती के लिए इस्तेमाल होने वाली लगभग 20 प्रतिशत भूमि पर सुगंधित चावल उगाए जाते हैं। कुल चावल का 90 प्रतिशत से अधिक हिस्सा उत्तर पश्चिमी राज्यों में उत्पादित होता है। सुगंधित चावल की कुल वैश्विक आपूर्ति में भारत लगभग 65 प्रतिशत योगदान करता है। तेजी से घटता जलस्तर ,खाद्यान्न की बढ़ती मांग, घटती उत्पादकता और आर्थिक लाभ में भारी कमी की वजह से भारत में बासमती चावल के उत्पादन में स्थिरता एक अहम चिंता का विषय बन गई है।

आर सबरीनाथन, ग्लोबल राइस एग्रोनोमिस्ट, नेटाफिम लिमिटेड ने कहा, " परंपरागत तौर पर, चावल एक पानी की भरपूर खपत करने वाली फसल है। तीन प्राथमिक उद्देश्यों के लिए चावल की खेती में पानी की जरूरत होती है। भूमि को तैयार करने के दौरान, निरंतर रिसाव

और उपज का पोषण के दौरान। बासमती चावल उगाने वाले किसान को खेत को लगातार पानी से लबालब रखना पड़ता है, जिसकी वजह से अन्य फसलों की तुलना में चावल की खेती के दौरान पानी का नुकसान (80 प्रतिशत तक) होता है। इस फसल के लिए पानी के मद में अधिक निवेश, श्रम, फसल से पहले की तैयारी और उर्वरकों की जरूरत होती है। इन निवेशों के बावजूद, पानी का सही तरीके से इस्तेमाल न होने के कारण, फसल की उपज कम होती है, और फसल की गुणवत्ता कम होने से किसानों के मुनाफे पर असर पड़ता है।" विश्व स्तर पर, भारत बासमती और गैर–बासमती चावल के शीर्ष निर्यातकों में से एक है। आंकड़ों के अनुसार, 2020–21 में, भारत का चावल निर्यात (बासमती और गैर–बासमती) 87 प्रतिशत बढ़कर 17.72 मिलियन टन (एमटी) हो गया, जो 2019–20 में 9.49 मीट्रिक टन था। मूल्य प्राप्ति (वैल्यू रियलाइजेशन) के मामले में, भारत का चावल निर्यात 2019–20 में 6397 मिलियन अमरीकी डालर से 38 प्रतिशत बढ़कर 2020–21 में 8815 मिलियन अमरीकी डालर हो गया। 2020–21 में बासमती चावल के निर्यात की मात्रा के मामले में, शीर्ष दस देश – सऊदी अरब, ईरान, इराक, यमन, संयुक्त अरब अमीरात, संयुक्त राज्य अमेरिका, कुवैत, यूनाइटेड किंगडम, कतर और ओमान थे जिनके पास कुल शिपमेंट का करीब 80 प्रतिशत तक हिस्सा है।

किसानों की आय में लगातार बढ़ोतरी हासिल करने और सुगंधित चावल के मामले में वैश्विक निर्यात बाजार में अपना दबदबा कायम रखने के लिए, कृषि के क्षेत्र में वैज्ञानिक और जल का सही तरीके से इस्तेमाल सुनिश्चित करना और पानी की बर्बादी को रोकना सबसे अहम है। गंगा का मैदान (आईजीपी) भारत का पर्यावरणीय रूप से अतिसंवेदनशील, सांप्रदायिक रूप से अहम और आर्थिक रूप से सामरिक क्षेत्र है जहाँ जलवायु परिवर्तन से परिदृश्य, भूजल और धरती की उर्वरता को खतरा है। जमीन को तैयार करने की अधिक लागत, बाढ़ के कारण पानी की बर्बादी और पारंपरिक तकनीकों का कारगर न होना आदि चावल उत्पादकों की कठिनाइयों को बढ़ा देते हैं। इन परेशानियों के ध्यान में रखते हुए, किसानों को पानी के उपयोग के लिए कुशल वैकल्पिक तरीकों पर फोकस करना चाहिए और चावल की खेती के लिए ड्रिप इरिगेशन के इस्तेमाल को करना चाहिए। वर्तमान में, भारत में चावल उत्पादन के मामले में लगभग 500 हेक्टेयर भूमि पर ड्रिप इरिगेशन होती है। निस्संदेह, चावल की खेती में कृषि के तौर–तरीकों का आत्मनिरीक्षण और उनको ठीक करना अनिवार्य हो जाता है तथा चावल की खेती में इन सुधारों को अपनाते हुए आगे जाने की जरूरत है। ड्रिप इरिगेशन फसल को पानी की बिल्कुल सही आपूर्ति के माध्यम से पानी के उपयोग को कम करती है। इसलिए, किसानों को परंपरागत रूप से एक किलो चावल उगाने में 5000 लीटर पानी की जरूरत होती थी, अब उन्हें केवल 1500–1600 लीटर की जरूरत है। वे कम पानी में बड़े पैमाने पर अधिक फसल की उपज प्राप्त करते हैं। ड्रिप इरिगेशन से किसान फसल चक्र में चावल के बाद किसी भी वांछित निकट दूरी वाली फसल का चयन कर सकते हैं। वे चावल की खेती के बाद कम आय वाली फसलों से उच्च आय वाली फसलों में भी शिफ्ट हो सकते हैं। धान की खेती में चावल की जड़ें जलमग्न रहती हैं। वे हेवी मेटल्स का उपभोग करती हैं और फसल में आर्सेनिक की मात्रा बढ़ाती हैं, जिससे फसल की मार्केट वैल्यू कम हो जाती है।

तना छेदक और अन्य कीटकों से धान की फसल का बचाव सुनिश्चित करें

देहरादून, क्राइम पेट्रोल संवाददाता। सुमिल केमिकल इंडस्ट्रीज के निर्देशक सुकेतु दोशी ने संवाददाताओं से उत्तराखंड में साक्षात्कार के दौरान बताया की येलो स्टेम बोरर (पीला तना छेदक) कि वजह से धान की फसल का एक चौथाई से भी ज्यादा नुकसान होने के समाचार पिछले अनेक वर्षो में आते रहे है। इस भयंकर प्रकोप से बचाव के लिए सुमिल केमिकल इंडस्ट्रीज के अत्याधुनिक अनुसंधान केंद्र में विकसित – "ट्रायोन–जेडएफएस" पीला तना छेदक और अन्य कीटों की प्रभावी रोकथाम और नियंत्रण के लिए उत्तम कार्यक्षमता वाला कीटनाशक हैं। "ट्रायोन–जेडएफएस" एक कीटनाशक और पोषक तत्वों के मिश्रण का वॉटर डिस्पेर्सिबल ग्रेन्युल्स फॉर्म्युलेशन वाला उत्पाद है। "ट्रायोन–जेडएफएस" पानी और मिट्टी में अच्छी तरह से घुल मिल जाने की क्षमता होने के कारण मिट्टी से पोषक तत्वों का धान के पौधो की ओर से सक्रिय उठाव भी आसानी से संभव करता है। "ट्रायोन–जेडएफएस" एक वॉटर डिस्पेर्सिबल ग्रेन्युल्स फॉर्म्युलेशन पर आधारित उत्पाद होने के कारण इसका उपयोग करना आसान है। इस में उपलब्ध पोषक तत्वों (सल्फर 70 प्रतिशत + जिंक ऑक्साईड 13 प्रतिशत) से फसल में मजबूत और उत्पादक कल्ले, के साथ साथ पौधों के जडों का बेहतर विकास करता है। "ट्रायोन–जेडएफएस" एक नई संकल्पना है जिसे अपनाने से फसल की गुणवता और उपज में बढोतरी होती है। "ट्रायोन–जेडएफएस" का छिड्काव 4 किलोग्राम प्रति एकड् की मात्रा में करने से धान की रोपाई के 15 से 20 दिनों में और धान की सीधी बुवाई के 25 से 30 दिनों में तना छेदक की रोकथाम के साथ साथ फसल की प्रतिरोधक क्षमता में बढोतरी होती है। तना छेदक के खिलाफ सुरक्षा कवच प्रदान करने के लिए यह समय सबसे प्रभावी है। प्रारंभिक जुताई पोषण के दृष्टिकोण से भी फसल का महत्वपूर्ण चरण है, इसलिए "ट्रायोन–जेडएफएस" अनोखा संगम दुनिया में अव्वल। पिछ्ले चालीस वर्षों से सुमिल केमिकल इंडस्ट्रीज (मुख्यालय–मुंबई) भारत की कीटनाशक, उर्वरक और खाद उत्पादन एंवम बिक्री करने वाली अग्रणीय कंपनियों में एक प्रमुख नाम है। देश भर में उपलब्ध सुमिल कंपनी के उत्पादन हमेशा किसानों को कम खर्च में ज्यादा से ज्यादा पैदावार मिले इस सिद्धांत पर खरे उतरते हैं।

मानसिक और सामाजिक कल्याण को बढ़ावा देता है योग

नगर संवाददाता

देहरादून। योग एक प्राचीन भारतीय अभ्यास है जो किसी के मानसिक और सामाजिक कल्याण को बढ़ावा देने में मदद करता है। वास्तव में, योग मनो–शारीरिक स्वास्थ्य के निर्माण और दैनिक तनाव के प्रबंधन के अलावा शक्ति और लचीलापन विकसित करने में सहायक है। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस का विषय 'मानवता के लिए योग' है, जो महामारी के कारण होने वाले महत्वपूर्ण मानसिक, शारीरिक और भावनात्मक संघर्ष को ध्यान में रखते हुए है। समाज में योग के महत्व और तन और मन को पूर्ण रूप से स्वस्थ रखने में इसकी भूमिका के बारे में जागरूकता पैदा करने की दृष्टि से है। वन अनुसंधान संस्थान, देहरादून ने ''मानवता के लिए योग'' विषय पर अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस बड़े उत्साह के साथ मनाया। कार्यक्रम का आयोजन एफआरआई के मुख्य भवन के सामने केंद्रीय विद्यालय के छात्रों और उनके शिक्षकों और अधिकारियों, वैज्ञानिकों, एफआरआई के अन्य कर्मचारियों और एफआरआई डीम्ड विश्वविद्यालय के विद्वानों के साथ किया गया था। ऋचा मिश्रा, आईएफएस और हेड एक्सटेंशन डिवीजन, एफआरआई ने डॉ रेणु सिंह, आईएफएस, निदेशक, एफआरआई और इस अवसर पर उपस्थित अन्य लोगों का स्वागत किया। केन्द्रीय विद्यालय, एफआरआई के विशेष योग शिक्षक कमलेश बिजलवां का भी विशेष स्वागत किया गया। इसके बाद उन्होंने डॉ. रेणु सिंह, आईएफएस, निदेशक एफआरआई को उद्घाटन भाषण के लिए आमंत्रित किया। डॉ. रेणु सिंह ने सभा को संबोधित किया और कहा कि योग की उत्पत्ति हजारों साल पहले, विश्वास प्रणालियों के जन्म से भी पहले हुई थी। योग शब्द का उल्लेख हमारे प्राचीन साहित्य में भी मिलता है। उन्होंने अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के बारे में भी बात की जिसका उद्देश्य मन की शांति और आत्म जागरूकता के लिए ध्यान की आदत पैदा करना है जो तनाव मुक्त वातावरण में जीवित रहने के लिए आवश्यक है और यह भी कि कैसे योग ने लोगों को कोरोना महामारी के तनावपूर्ण वर्षों से निपटने में मदद की है। डॉ. चरण सिंह, वैज्ञानिक–एफ, विस्तार प्रभाग, एफआरआई ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

संपादकीय

खाद्यान्न वितरण शत प्रतिशत बायोमैट्रिक माध्यम से ही किया जायेगा

रूद्रपुर में जिला पूर्ति अधिकारी तेज बल सिंह ने बताया कि राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा योजना के अन्तर्गत खाद्यान्न का वितरण लाभार्थियों में शत प्रतिशत बायोमैट्रिक माध्यम से ही किया जायेगा। उन्होंने बताया उक्त कार्य की समीक्षा निरन्तर शासन स्तर मण्डल स्तर व जनपद स्तर पर की जा रही है व बायोमैट्रिक माध्यम से खाद्यान्न वितरण किये जाने की समीक्षा करने पर जनपद में तहसील स्तर पर कई विक्रेता चिन्हित किये गये हैं जिनके द्वारा संतोषजनक बायोमेट्रिक ट्रांजैक्शन नहीं किया जा रहा है। उन्होंने बताया इन विक्रेताओं के द्वारा दिनांक 20 जून 2022 तक बायोमैट्रिक ट्रांजेक्शन के निर्धारित लक्ष्य के सापेक्ष अत्यन्त न्यून बायोमैट्रिक ट्राजेक्शन किया गया है। उन्होने बताया न्यून बायोमैट्रिक ट्राजेक्शन करने वाले विक्रेता विमला शर्मा, नीलम अरोरा, रिहान अली, बलविन्दर व भगवान सिंह बाजपुर के दीपक कुमार, मन्जू देवी,अमित गांधी, श्री धर्मेन्द्र कुमार, श्री महेश चन्द्र, श्री राकेश चन्द्र, श्रीमती फूला देवी श्री दलजीत सिंह, श्री अशोक कुमार, श्रीमती कमला देवी व श्री पी0के0अग्रवाल काशीपुर के श्रीमती ललिता देवी प्रथम, श्रीमती राधा भण्डारी व श्री राजेन्द्र बांगा रूद्रपुर से श्री ओमप्रकाश, श्री भूपेन्द्र भारती, श्री लखपत राय, श्री दर्शन सिंह, श्री केवल कृष्ण, श्रीमती आशा रानी, श्री सुभाष चन्द्र, श्री जितेन्द्र कुमार, श्री राजू, किच्छा से श्री शिव प्रसाद सिंह, श्री सुभाष सिंह, श्री जसवीर सिंह, श्री गुरमीत सिंह, श्री सुरेश सिंह व श्री गोपाल सिंह, श्री अम्मू सिंह जसपुर से श्री राजेश कुमार, क्रय विक्रय सहकारी समिति, श्री दिग्विजय, श्री अरुण सिंह व श्री रामरहेश सिंह सितारगंज से श्री गौरी शंकर, श्री विजय विकास समिति, दक्षिणी दीर्घाकार सहकारी समिति व उत्तरी दीर्घाकार सहकारी समिति, खटीमा के प्रत्येक विक्रेता पर 3000/– रूपये का आर्थिक दण्ड लगाया गया व इस प्रकार न्यून बायोमैट्रिक ट्रांजेक्शन करने वाले 44 विक्रेताओं पर सम्मिलित रूप से कुल रूपये 132000 का अर्थदण्ड शासन के पक्ष में आरोपित किया गया है।

श्रीनगर मेडिकल कॉलेज में बनेगी प्रदेश की पहली क्रिटिकल केयर यूनिट

श्रीनगर, क्राइम पेट्रोल संवाददाता। प्रदेश के गढ़वाल रीजन के लिए अच्छी खबर है। गढ़वाल मंडल के श्रीनगर मेडिकल कॉलेज में प्रदेश का पहला क्रिटिकल केयर यूनिट खुलने जा रहा है। इसके लिए प्रदेश सरकार ने जमीन देख दी है। एक माह के अंदर इस यूनिट के निर्माण का कार्य शुरू कर दिया जाएगा। क्रिटिकल केयर यूनिट के लिए चार मंजिला बिल्डिंग का निर्माण किया जाएगा, जिसमें 50 बेड की व्यवस्था की गई है। क्रिटिकल केयर यूनिट में कार्डियो के साथ न्यूरो की भी सुविधाएं मरीजों को दी जाएंगी। क्रिटिकल केयर यूनिट पहाड़ी शैली में बनाया जाएगा। इसके बनने से जनपद रुद्रप्रयाग, पौड़ी, चमोली और टिहरी के मरीजों को लाभ मिलेगा, जो मरीज गंभीर अवस्था में श्रीनगर रेफर किये जाते हैं, उन्हें एक ही छत के नीचे इलाज मिल सकेगा। क्रिटिकल केयर यूनिट को लेकर सूबे के स्वास्थ्य मंत्री धन सिंह रावत मेडिकल कॉलेज श्रीनगर पहुंचे थे। इस संबंध में उन्होंने अधिकारियों के साथ चर्चा की। साथ ही भूमि का स्थलीय निरीक्षण भी किया। इस दौरान उनके साथ मेडिकल कॉलेज श्रीनगर के प्राचार्य सीएमएस रावत और उपजिलाधिकारी श्रीनगर अजयवीर सिंह भी मौजूद रहे। स्वास्थ्य मंत्री डॉ धन सिंह रावत ने बताया कि करीब 23 करोड़ रुपए की लागत से श्रीनगर में क्रिटिकल केयर यूनिट की बिल्डिंग का निर्माण कार्य किया जाएगा। चार मंजिला क्रिटिकल केयर यूनिट को पहाड़ी शैली में बनाया जाएगा। इसके निर्माण कार्य को एक माह में शुरू करने का लक्ष्य रखा गया है, ये प्रदेश की पहली क्रिटिकल केयर यूनिट होगी, जिसे मेडिकल कॉलेज श्रीनगर में बनाया जा रहा है।

नया फ्यूचरिस्टिक डिवाइस पोवा 3 लॉन्च

नगर संवाददाता

देहरादून। वैश्विक प्रीमियम स्मार्टफोन ब्रैंड, टेक्नो मोबाइल ने आज एक और नया फ्यूचरिस्टिक डिवाइस पोवा 3 लॉन्च किया। इसे जबर्दस्त परफॉर्मेंस देने वाली पोवा 3 सीरीज के तहत लॉन्च किया गया है, जिसमें स्पीड, पावर और परफॉर्मेंस के संयोजन की झलक मिलती है। गेमिंग के दीवानों और जेनरेशन जेड के उपभोक्ताओं के लिए डिजाइन किया गया पोवा 3 भारत की पहली 7000 एमएएच की बैटरी और 33 वॉट के फास्ट चार्जर के साथ लॉन्च किया गया है। यह ताकतवर कॉम्बिनेशन स्मार्टफोन के पावर बैकअप का कायाकल्प कर सकता है, जिससे उन लोगों की स्मार्टफोन को चार्ज करने से जुड़ी चिंता खत्म हो जाएगी, जो दिन में अपना ज्यादातर समय मोबाइल पर बिताते हैं और जिनके लिए पूरे दिन फोन की बैटरी के दमदार परफॉर्मेंस देने की जरूरत बढ़ती जा रही है। अब जब भारत का गेमिंग सेक्टर लगातार बढ़ता जा रहा है तो उसी के साथ गेमर्स की तकनीक से उम्मीदें भी काफी बढ़ गई हैं। पोवा 3 के साथ टेक्नो बेहद सटीक तरीके से गेमिंग की इस तेज लहर से खुद को जोड़ता है। कंपनी ने लगातार अपना ध्यान मध्य श्रेणी से लेकर उच्च श्रेणी के फोन के विकास पर केंद्रित किया है। पोवा सीरीज में नए फोन की लॉन्चिंग पर टेक्नो मोबाइल इंडिया के सीईओ अरिजीत तालापात्रा ने कहा दकि भारत विश्व में पांचवां सबसे बड़ा मोबाइल गेमिंग मार्केट है, जो 38 फीसदी की सालाना विकास दर से आगे बढ़ रहा है। अनुमान है कि 2025 तक यह मार्केट 3.9 बिलियन डॉलर की ऊचाई तक पहुंच जाएगा। यह आंकड़े निश्चित रूप से हाई एंड प्रोसेसर्स, बढ़ी हुई स्पीड और लंबी लैटरी लाइफ के साथ ज्यादा बेहतर और ज्यादा ताकवर डिवाइसेज की मांग में बढ़ोतरी की झलक देते हैं।

आईएएस यादव को विजिलेंस के सम्मुख पेश होने के हाईकोर्ट ने दिए आदेश

क्राइम पेट्रोल संवाददाता

नैनीताल। उत्तराखंड हाईकोर्ट ने आय से अधिक संपत्ति अर्जित करने के आरोपी अपर सचिव समाज कल्याण विभाग राम विलास यादव की गिरफ्तारी पर रोक के मामले पर सुनवाई की। मामले को सुनने के बाद वरिष्ठ न्यायमूर्ति मनोज कुमार तिवारी की एकलपीठ ने सरकार से 23 जून तक स्थिति स्पष्ट करने के आदेश दिए हैं। कोर्ट ने राम विलास यादव से कहा है कि वे अपना बयान विजिलेंस के सम्मुख दर्ज कराएं। मामले की अगली सुनवाई 23 जून को होगी। बीती रोज सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ता की ओर से कोर्ट को बताया गया कि उन पर आय से अधिक संपत्ति अर्जित करने के आरोप लगाए गए हैं, जो गलत हैं। उनकी लड़की विदेश में, लड़का सुप्रीम कोर्ट में अधिवक्ता है। उनकी पत्नी कॉलेज की प्रबंधक हैं और वो खुद आईएएस अधिकारी हैं। यह संपत्ति उन्होंने मेहनत से अर्जित की है। जिस व्यक्ति ने उनके खिलाफ शिकायत दर्ज की उसके खिलाफ कई आपराधिक मुकदमे चल रहे हैं। इस मामले में उनको अपना पक्ष रखने का मौका तक नहीं दिया गया। सरकार ने जो कमेटी गठित की थी, उसको पक्ष रखने से पहले ही भंग कर दिया गया। सरकार की तरफ से कहा गया कि विजिलेंस टीम ने उन्हें कई बार अपना पक्ष रखने के लिए बुलाया, लेकिन नहीं गए और मुख्यमंत्री, प्रमुख सचिव व कई मंत्रियों से मिले। मामले के अनुसार आईएएस राम विलास यादव उत्तराखंड सरकार में समाज कल्याण विभाग में अपर सचिव के पद पर कार्यरत हैं। पूर्व में यादव उत्तर प्रदेश सरकार में लखनऊ विकास प्राधिकरण के सचिव भी रह चुके हैं। उनके खिलाफ लखनऊ में एक व्यक्ति द्वारा आय से अधिक संपत्ति की शिकायत दर्ज की गई थी। जिसके आधार पर उत्तराखंड सरकार ने जांच शुरू की। विजिलेंस टीम ने उनके लखनऊ, देहरादून व गाजीपुर के ठिकानों पर छापा मारा। जिसमें संपत्ति से संबंधित कई दस्तावेज मिले। जांच करने पर इनके खिलाफ आय से 500 गुना अधिक संपत्ति मिली।

राज्य के विकास में वन विभाग की महत्वपूर्ण भूमिका: सीएम

नगर संवाददाता

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी की अध्यक्षता में सचिवालय स्थित विश्वकर्मा भवन के वीर चंद्र सिंह गढवाली सभागार में उत्तराखण्ड राज्य वन्यजीव बोर्ड की 17वीं बैठक आयोजित की गई। काफी लम्बे समय से बोर्ड की बैठक न होने पर मुख्यमंत्री ने नाराजगी जताते हुए कहा कि बोर्ड की बैठक नियमित तौर पर समय से आयोजित की जाएं। सरलीकरण, समाधान और निस्तारण के मंत्र पर काम करना है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी देश में नया वर्क कल्चर लाए हैं। हमें राज्य में जनहित के उद्देश्य से कार्य संस्कृ ति में सुधार लाना है। मुख्यमंत्री ने कहा कि बैठको में स्वागत संबंधी औपचारिकताओं को न करते हुए सीधे बैठक के एजेंडा पर चर्चा की जाए। इससे चर्चा के लिये अधिक समय मिल सकेगा। मुख्यमंत्री ने

कहा कि बैठकों में केवल बातचीत ही नहीं बल्कि समाधान भी निकले।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य के विकास में वन विभाग की महत्वपूर्ण भूमिका है। वन संरक्षण, वन्यजीव संरक्षण और प्रकृति संरक्षण बहुत जरूरी है, साथ ही राज्य का विकास भी जरूरी है। हमें इकोलोजी और ईकोनोमी मे समन्वय बनाकर चलना है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में मानव वन्यजीव संघर्ष को रोकने पर प्राथमिकता से काम करना है। खासतौर पर खेती को बंदरों से बचाने के लिये यथासम्भव तकनीक का उपयोग किया जाए। इसका कोई स्थायी समाधान खोजा जाए। हरेला पर्व पर विशेष तौर पर अधिक से अधिक फलदार पेड़ लगाए जाएं। हरेला पर्व केवल वनविभाग तक सीमित न रहे, इसे जन जन का उत्सव बनाना है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य स्तर पर अनुमोदन के बाद जो भी प्रस्ताव केंद्र स्तर पर जाते हैं, उनका लगातार फॉलोअप सुनिश्चित किया जाए। इसके लिये जरूरत होने पर अधिकारी विशेष को नियुक्त किया जा सकता है। उत्तराखण्ड राज्य वन्यजीव बोर्ड की बैठक में सोनप्रयाग से श्री केदारनाथ धाम के लिये रोपवे, गोविंदघाट से हेमकुण्ट साहिब रोपवे सहित विभिन्न प्रकरणों के वन भूमि हस्तांतरणों पर विचार विमर्श किया गया। यह भी निर्णय लिया गया कि मानव वन्यजीव संघर्ष शमन उत्कृष्टता केंद्र और वन्यजीव स्वास्थ्य उत्कृष्टता केंद्र की प्रदेश में स्थापना की जाएगी। स्थानीय समुदायों के सहयोग से प्राइमरी रेस्पोंस टीमों का गठन किया जाएगा जो कि वन व वन्य जीव संरक्षण के साथ ही वनाग्नि को रोकने पर भी काम करेंगी।

माइंडफुल मेडिटेशन सेशन का आयोजन किया

देहरादून, नगर संवाददाता। तुलाज़ इंस्टिट्यूट ने आज कॉलेज परिसर में एनसीसी कैडेट्स, एनएसएस स्वयंसेवक, कॉलेज के छात्रों, शिक्षकों और कर्मचारियों सहित 200 से अधिक प्रतिभागियों की उत्साही भागीदारी के साथ अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया। समारोह की शुरुआत माननीय मुख्य अतिथि और उत्तराखंड सरकार के कैबिनेट मंत्री सतपाल महाराज, उपाध्यक्ष तुलाज़ इंस्टिट्यूट रौनक जैन, उपाध्यक्ष प्रौद्योगिकी डॉ. राघव गर्ग और निदेशक तुलाज़ इंस्टिट्यूट डॉ संदीप विजय द्वारा दीप प्रज्वलन के साथ हुई। इस अवसर पर सतपाल महाराज ने सभा को योग के बारे में और दैनिक जीवन में एक इंसान को योग का अभ्यास करने के लाभों के बारे में संबोधित किया और इंसान के अनुकूलन की क्षमता पर प्रकाश डाला। उन्होंने अन्य प्रतिभागियों के साथ ध्यान सत्र में सक्रिय रूप से भाग लिया।

कार्यक्रम के दौरान मेडिटेशन ट्रेनर्स बीएल सेमवाल और आरएस चौहान ने माइंडफुल मेडिटेशन सेशन का आयोजन किया। योग प्रशिक्षक सुप्रीत अरोड़ा, शेखर बिष्ट और अनीता शर्मा ने अभ्यास सत्र के दौरान सभी प्रतिभागियों को योग प्रशिक्षण दिया। कार्यक्रम का आयोजन स्टूडेंट अफेयर्स के संकाय समन्वयक डॉ सचिन कुमार और इमैनुएल गेब्रियल द्वारा किया गया था, जिसमें तुलाज़ इंस्टिट्यूट के एनसीसी और एनएसएस के सभी स्वयंसेवकों और सुकमाना फाउंडेशन और ट्रस्ट (एनजीओ) के सक्रिय समर्थन के साथ हुआ। इस अवसर पर बोलते हुए, रौनक जैन ने कहा, ष्योग का उद्देश्य मन और शरीर दोनों में शक्ति, जागरूकता के साथ–साथ सद्भाव का निर्माण करना है। तुलाज़ इंस्टिट्यूट अपने संकाय और कर्मचारियों के सदस्यों की भलाई को बहुत महत्व देता है। बाद में उन्होंने सभी प्रतिभागियों को बधाई दी और इस तरह के एक अद्भुत आयोजन के लिए टीम के प्रयासों की सरहाना करी।

पॉलिसीधारकों के लिए 968.8 करोड़ रुपये के रिकॉर्ड वार्षिक बोनस की घोषणा की

हरिद्वार, क्राइम पेट्रोल संवाददाता। नए बिजनेस सम एश्योर्ड के मामले में भारत के सबसे बड़े प्राइवेट जीवन बीमाकर्ता आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल लाइफ इंश्योरेंस ने सभी पात्र पॉलिसीधारकों को वित्त वर्ष 2022 के लिए 968.8 करोड़ रुपये का वार्षिक बोनस घोषित किया है। यह बोनस भुगतान का लगातार 16वां वर्ष है जो कि अब तक सर्वाधिक रिकॉर्ड है और यह वित्त वर्ष 2021 के बोनस से 12 प्रतिशत अधिक है। 31 मार्च, 2022 तक लागू सभी प्रतिभागी नीतियां इस वार्षिक बोनस को प्राप्त करने के लिए पात्र हैं, जिसे पॉलिसीधारकों के लाभों में जोड़ा जाएगा। इससे लगभग दस लाख भाग लेने वाले पॉलिसीधारक इससे लाभान्वित होंगे, जो उन्हें उनके दीर्घकालिक वित्तीय लक्ष्यों को प्राप्त करने के करीब ले जाएगा। आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल लाइफ इंश्योरेंस द्वारा पेश किए गए अभिनव उत्पादों की रेंज ग्राहकों को घोषित बोनस के रूप में पूंजी गारंटी और ग्रोथ, दोनों की सुविधा प्रदान करती है। इसके अलावा यह जीवन बीमा के माध्यम से परिवार को वित्तीय सुरक्षा भी प्रदान करता है। मजबूत फण्ड मैनेजमेंट के साथ साथ रिस्क मैनेजमेंट क्षमताओं ने कंपनी के पॉलिसीधारकों को लगातार रिकॉर्ड बोनस के साथ पुरस्कृत करने में सक्षम बनाया है, जैसा की पालिसी के खरीद के समय वादा किया गया था। यह ग्राहकों को उनके वित्तीय लक्ष्यों को प्राप्त करने में सक्षम बनाने में प्रोडक्ट्स के दमदार प्रदर्शन की ओर इशारा करता है। आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल लाइफ इंश्योरेंस के मैनेजिंग डायरेक्टर और सीईओ एनएस कन्नन ने कहा कि हमें वित्त वर्ष 2022 के लिए 968.8 करोड़ रुपये के वार्षिक बोनस की घोषणा करते हुए खुशी हो रही है, जो कंपनी द्वारा स्थापना के बाद से अब तक घोषित सबसे अधिक बोनस है। इसके अलावा, यह वित्त वर्ष 2021 की तुलना में 12 प्रतिशत अधिक है। हमसे जुड़कर ग्राहक अपने लॉन्ग टर्म फाइनेंसियल गोल्स को हासिल करने के लिए अपने जीवन की जमा पूंजी हमें सौंपते हैं और हमें पूर्ण विश्वास है कि यह बोनस हमारे भाग लेने वाले पॉलिसीधारकों को उनके वित्तीय लक्ष्यों के करीब एक कदम आगे बढ़ने में उन्हें सक्षम करेगा।

निरंकारी भवनों में योग शिविर का आयोजन हुआ

नगर संवाददाता

देहरादून। मन को पवित्र और निर्मल रखने के लिए करने के लिए मनुष्य योनि के लिए सत्संग आवश्यक है वहीं पर शरीर को स्वस्थ रखने हेतु योग अति आवश्यक है। निरंकारी सद्गुरु माता सुदीक्षा महाराज के पावन आशीर्वाद से संत निरानकरी चैरिटेबल फाउंडेशन के सहयोग से पुरे भारत में सभी निरंकारी भवनों में योग शिविर का आयोजन हुआ। जहा 21 जून के दिन पुरे भारत वर्ष में योग दिवस के रूप में योग करके मानते है इसी श्रृंखला में संत निरंकारी सत्संग भवन रेस्ट कैम्प

के तत्वाधान में भी निरंकारी भक्तों ने योग करके अंतरराष्ट्रीय योग दिवस मनाया। मसूरी जोन के सहयोग से एवं स्थानीय संयोजक नरेश विरमानी के नेतृत्व में एक घंटे का यह योग शिविर चला जिसमे अनेक भाई बहनों ने योग किया। योग शिक्षक जगनाथ अरोड़ा रहे।

एसटीएफ के हत्थे चढ़ा शातिर ठग

अफजाल अहमद

देहरादून। उत्तराखंड एसटीएफ और साइबर पुलिस ने फर्जी कंपनी बनाकर ऑनलाइन ट्रेडिंग की बात कहकर फर्जी बेवसाइट के जरिए पैसा कमाने का लालच देकर 15 लाख रूपए की धोखाधड़ी में लिप्त आरोपित जाकी अहमद को धोखाधड़ी में इस्तेमाल मोबाइल फोन, सिम के साथ देहरादून से 1700 किमी दूर राऊरकेला ओडिसा से गिरफ्तार किया है। पूर्व में इस मामले मे सलिंप्त आरोपितों को पजांब के फरीदकोट व भोपाल एंव मुम्बई मे गिरफ्तारी कर वैधानिक कार्यवाही की जा चुकी है। जिसमे क्रिप्टो करेंसी एंव फिल्म इडस्ट्री द्वारा करोड़ों रूपए की मनी लाड्रिंग का अपराध भी प्रकाश मे आ चुका है ।

वर्तमान में साइबर अपराधी आम जनता की गाढ़ी कमाई हड़पने हेतु अपराध के नये–नये तरीके अपनाकर धोखाधड़ी कर रहे है। इसी परिपेक्ष्य में साईबर ठगों द्वारा फर्जी कम्पनी बनाकर आमजनो को आनलाईन ट्रेडिंग की बात बताकर फर्जी बेवसाइट के माध्यम से पैसे कमाने का लालच देकर आनलाईन लाखों रुपये की धोखाधडी की जा रही है। एक प्रकरण साइबर क्राईम पुलिस स्टेशन को वर्ष 2021 मे प्राप्त हुआ था। जिसमें अंकित कुमार निवासी सुभाष नगर ज्वालापुर हरिद्वार के साथ अज्ञात व्यक्ति द्वारा स्वंय को जीएलसी प्राइवेट लिमिटेड कम्पनी मे आनलाईन ट्रेडिंग की बात बताकर फर्जी बेवसाइट के माध्यम से पैसे कमाने का लालच देकर आनलाईन कुल पन्द्रह लाख रुपये की धनराशि धोखाधड़ी से विभिन्न बैक खातो में प्राप्त कर लिया था। शिकायत के आधार पर साइबर क्राईम पुलिस स्टेशन देहरादून पर अज्ञात के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा पंजीकृत किया गया था। जिसकी विवेचना साइबर थाने के निरीक्षक त्रिभुवन सिंह रौतेला के सुपुर्द की गयी। पूर्व में दो आरोपितों को गिरफ्तार कर जेल भेजा गया है।

आरोपितों के विरुद्ध कार्यवाही हेतु घटित टीम द्वारा घटना में प्रयुक्त मोबाईल नम्बर व शिकायतकर्ता से प्राप्त धनराशि की जानकारी प्राप्त की गयी। प्रकाश में आये अभियुक्तो द्वारा स्वंय को जीएलसी प्राइवेट लिमिटेड कम्पनी मे आनलाईन ट्रेडिंग की बात बताकर फर्जी बेवसाइट के माध्यम से पैसे कमाने का लालच देकर अंकित से धोखाधडी की गयी। मोबाईल नम्बर व खातों की जानकारी से जालसाजों का राऊरकेला जनपद सुन्दरगढ (ओडिसा) से सम्बन्ध होना पाया गया। जिसके बाद एसटीएफ टीम को राऊरकेला जनपद सुन्दरगढ (ओडिसा) व अन्य सम्भावित स्थानो में रवाना किया गया। पुलिस टीम द्वारा अथक मेहनत एवं प्रयास से बदमाशों द्वारा पीड़ित को जो खाता संख्या व मोबाईल नम्बर दिये थे व धोखाधडी से प्राप्त की गयी धनराशि की खातो के खाताधारक की जानकारी प्राप्त की गयी व उक्त खाते का खाताधारक के सम्बन्ध में साक्ष्य एकत्रित करते हुये अभियोग में जाकी अहमद सिद्दिकी पुत्र स्व. शमून अहमद निवासी नौशाद खान ब्लाक ए–135 सैक्टर –15 थाना व पोस्ट सैक्टर –15 राऊरकेला स्टील टाउनशीप एरिया जनपद सुन्दरगढ (ओडिसा) को गिरफ्तार करते हुये घटना में प्रयुक्त मोबाईल फोन बरामद किया गया।

‘सिंगापुर में बनाई गई वेबसाईट’

देहरादून। आरोपितों द्वारा फर्जी कम्पनी बनाकर आमजनता को आनलाईन ट्रेडिंग की बात बताकर फर्जी बेवसाइट के माध्यम से पैसे कमाने का लालच देकर आनलाईन धोखाधडी करना व उनके द्वारा भारत के अलग–अलग कोनो मे दर्जनों फर्जी कम्पनी बनायी गयी थी। साईबर अपराधियों द्वारा फिल्मों की स्क्रीनिंग के नाम पर करोडो रुपये क्रिप्टो करेंसी के माध्यम से भारत से बाहर भेजे गये। पुलिस के अनुसार अपराध मे प्रयुक्त बैवसाईट डिटेल से प्रतीत होता है कि बैवसाइट हांगकांग व सिगांपुर में बनायी गयी थी।

आर्य नगर चौक पर सीताराम ज्वैलर्स का शुभारंभ

क्राइम पेट्रोल संवाददाता

हरिद्वार। सीताराम ज्वैलर्स हरिद्वार में सोने और हीरे के आभूषण थोक और खुदरा क्षेत्र में एक प्रमुख नाम है। लगभग 150 वर्षों की विरासत के साथ, इसकी स्थापना 1864 में श्री सीतारामजी ने की थी और आज इसकी देखरेख अशोक कुमार और अमन कुमार कर रहे हैं। अशोकजी, जो 1974 में शामिल हुए थे, ने अपने कौशल के साथ व्यवसाय का नेतृत्व किया और सराफा बाजार के एक छोटे से ज्वैलरी स्टोर से उत्तर भारतीय बाजारों में थोक बिक्री तक बढ़ा दिया, जब उनके बेटे अमन कुमार ने व्यवसाय में शामिल हो गए। अशोक अपने वचन के व्यक्ति रहे और उनका मानना है कि वह अपने ग्राहकों को सर्वोत्तम संभव मूल्य पर नवीनतम डिजाइन देना चाहते हैं। वह संबंध केंद्रित थे और उनका मानना घ्घ्घ्है कि उनके ग्राहक के भरोसे से ज्यादा कुछ भी मायने नहीं रखता है जो पीढ़ियों से बना है। अमन को उसके पिता अशोक ने सलाह दी और वह व्यवसाय का हिस्सा बन गए। उन्होंने विभिन्न पाठ्यक्रमों के माध्यम से आभूषण उद्योग सीखना भी शुरू किया और महसूस किया कि आभूषण का भविष्य उद्योग में अन्य स्थापित ब्रांडों की तरह आधुनिक खुदरा बिक्री में है। इसलिए अमन एक मजबूत टीम और हर तरह के पेशेवर सलाहकारों की मदद से सीताराम ज्वैलर्स को एक पारिवारिक और पेशेवर रूप से प्रबंधित ज्वैलरी स्टोर बनाने का लक्ष्य बना रहा है। अमन की माता साधना रानी भी बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं और व्यवसाय में सक्रिय रूप से शामिल हैं। वह स्टोर के लिए व्यापारिक चयन, प्रदर्शन और नए संग्रह में मदद करने के लिए महिलाओं की अपनी समझ का उपयोग करती है। सीताराम ज्वैलर्स सिल्वर ज्वैलरी, फैशन ज्वैलरी, गोल्ड ज्वैलरी, डायमंड ज्वैलरी, सॉलिटेयर्स, एंटीक टेम्पल ज्वैलरी, जड़ाऊ कुंदन ज्वैलरी से लेकर हर तरह के ज्वैलरी रखते हैं और जल्द ही प्लेटिनम ज्वैलरी भी रखेंगे। डिजाइनर ज्वैलरी की चाहत रखने वाले हर तरह के ग्राहकों के लिए 1000 रुपये से लेकर 10 लाख रुपये तक के पर्याप्त विकल्प मौजूद हैं।

इधर से उधर हुए 32 कांस्टेबल्स

रुद्रपुर, स्टाफ रिपोर्टर। काफी संख्या में पुलिस जवानों के तबादले किए गए हैं। एसएसपी मंजूनाथ टीसी ने ऊधमसिंहनगर में विभिन्न स्थानों पर तैनात 32 कांस्टेबलों को स्थानांतरण कर दिया है। स्थानांतरित होने वालों में एचसीपी संतोष प्रसाद रुद्रपुर से वाचक क्षेत्राधिकारी नगर, एचसीपी हरवीर सिंह पुलिस लाइन से कोतवाली रुद्रपुर, कॉन्स्टेबल कमल किशन दिनेशपुर से पुलिस कार्यालय क्षेत्राधिकारी आप्स, मीना कोहली सीसीटीवी पुलिस कार्यालय से शिकायत प्रकोष्ठ पुलिस कार्यालय, साजमीन कार्यालय क्षेत्र अधिकारी सितारगंज से अभियोजन कार्यालय खटीमा, अंकित कुमार पुलिस लाइन से कोतवाली काशीपुर (4 माह हेतु संबद्ध), आनंद सिंह नेगी बाजपुर से कोतवाली किच्छा, सिंगारा सिंह रुद्रपुर से कोतवाली किच्छा, पूरन सिंह नानकमत्ता से कोतवाली जसपुर, प्रदीप कुमार किच्छा से थाना दिनेशपुर, तारा कोरंगा दिनेशपुर से कोतवाली किच्छा, गोपाल चंद्र हाईकोर्ट से कोतवाली बाजपुर चौकी बरहनी, शैलेंद्र सिंह ट्रांजिट कैंप थाना आईटीआई, सुरेंद्र सिंह बिष्ट आईटीआई से नानकमत्ता, जोगिंदर सिंह कुंडा से सितारगंज, रामपाल सिंह प्रजापति काशीपुर से कोतवाली किच्छा, रमेशचंद्र सती आईटीआई से थाना पुलभट्टा, कुलदीप काशीपुर से कोतवाली सितारगंज, नवीन जोशी आईटीआई से थाना नानकमत्ता, प्रकाश चंद्र आर्य कुंडा से थाना पुलभट्टा, भूपेंद्र जीना काशीपुर से पुलभट्टा, नीरज नेगी कुंडा से थाना नानकमत्ता, नवीन चंद्र बमीठा काशीपुर से थाना नानकमत्ता, राजेंद्र प्रसाद आईटीआई से खटीमा, नीरज कुमार गदरपुर से ट्रांजिट कैंप, देवराज केलाखेड़ा से किच्छा, अशोक सिंह कला कोठी काशीपुर से बाजपुर, सीमा आर्या ट्रांजिट कैंप से महिला हेल्पलाइन रूद्रपुर, प्रमोद कुमार एसओजी रुद्रपुर से थाना नानकमत्ता, जीवन सिंह बिष्ट फायर स्टेशन पर नगर स्टेशन खटीमा, दया चंद्र फायर स्टेशन काशीपुर से स्टेशन रुद्रपुर आदि शामिल हैं।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक प्रवीन भारद्वाज द्वारा दून हाइट्स पब्लिकेशन, 12 किशनपुर राजपुर रोड, देहरादून से मुद्रित एवं 20 दिलाराम बाजार देहरादून, उत्तराखण्ड से प्रकाशित। क्राइम पेट्रोल सांध्य दैनिक सम्पादक प्रवीन भारद्वाज मो. 9837625470, फैक्स : 0135-2740155 नोट:- समस्त विवादों का न्यायालय देहरादून क्षेत्र होगा।